एक नजर में

स्वामी विवेकानंद जयंती पर पंचशील अकादमी में योग दिवस का आयोजन

गरोठ। पंचशील अकादमी में सोमवार 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर योग दिवस का आयोजन करते हुए विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुमंत कुशवाह रहे, जबकि संस्था डायरेक्टर हेमंत पाटीदार एवं प्राचार्या उषा पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मुख्य अतिथि डॉ. सुमंत कुशवाह ने अपने उद्बोधन में स्वामी विवेकानंद के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र के दीन-हीन लोगों की सेवा को ही वे ईश्वर की सच्ची पूजा मानते थे। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

अमित हरसोला 'दिगंबर जैन युवा रत्न' से सम्मानित

भानपुरा। समग्र दिगंबर जैन बघेरवाल सामाजिक संस्था (मालवा प्रांत), महावीर कल्याण समिति एवं बघेरवाल समाज भानपुरा के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक अधिवेशन के अंतर्गत युवा बघेरवाल समाज गौरव सम्मान समारोह इमली वाला नोहरा, भानपुरा में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में शिक्षा, संगठन एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अमित हरसोला को 'दिगंबर जैन युवा रत्न / युवा बघेरवाल समाज गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती खुशबू जैन द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ। इसके पश्चात भानपुरा समाज की ओर से अरुण हरसोला ने स्वागत भाषण दिया। समारोह के मुख्य अतिथि चंद्रसिंह सिसोदिया (विधायक, गरोठ-भानपुरा), देवीलाल धाकड़ (पूर्व विधायक) एवं विनोद (शिव) भामनिया (अध्यक्ष, नगर परिषद भानपुरा) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती योगिता ठोरा (पार्षद) एवं अनिल नाहर (राष्ट्रीय महासचिव, जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप फेडरेशन) उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि अमित हरसोला ने शिक्षा को समाज उन्नति का सशक्त माध्यम बनाया, संगठन को नई दिशा व ऊर्जा प्रदान की तथा सेवा को जीवन का संकल्प बनाया है। वे न केवल बघेरवाल समाज बल्कि समस्त युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर 'बघेरवाल के दर्पण' के संपादक सुभाष सेठिया ने सम्मान-पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन पारस हरसोला ने किया एवं आभार प्रदर्शन जिनेंद्र सावला द्वारा किया गया। समारोह में इंदौर, उज्जैन, मंदसौर, नीमच, शामगढ़, गरोठ, कोटा, रामगंजमंडी एवं भवानीमंडी सहित विभिन्न स्थानों से पधारे सैकड़ों समाजजनों की उपस्थिति रही।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर योग एवं खेल गतिविधियों का आयोजन

गांधीसागर। स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी 2026, सोमवार को युवा दिवस के रूप में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, गांधीसागर में उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में योग एवं खेल गतिविधियों का आयोजन कर युवाओं को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी एवं योग शिक्षक मनीष परिहार तथा उनकी टीम द्वारा विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं योगाभ्यास कराया गया। योग सत्र के पश्चात विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने मैराथन दौड़ में भाग लेकर शारीरिक स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। योगाभ्यास के दौरान दो वर्षीय नन्ही बालिका गोरांशी परिहार भी पूरे समय मंच पर योग करती नजर आई। अल्प आयु में सहज योग मुद्राओं का अभ्यास कर उसने उपस्थितजनों को आश्चर्यचकित करने के साथ प्रेरित भी किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वामी विवेकानंद जी के विचारों, शारीरिक स्वास्थ्य तथा अनुशासित जीवनशैली के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा। आयोजन को विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों द्वारा सराहा गया। इस अवसर पर पतंजलि योग समिति गांधीसागर के कोमलचंद नामदेव, हीरालाल रावत, विनोद बलहार, पदमा व्यास, सलीम पठान, पूरन माटा, विद्यालय के प्राचार्य मुकेश वशिष्ठ, जितेंद्र तोमर, सम्राट टेलर, भावेश प्रजापति, पवन बानया, अंशु मंडल, रुतवी नकड़ा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पतंजलि योग समिति गांधीसागर के मीडिया प्रभारी पूरन माटा ने किया।

मंगलवार जनसुनवाई के साथ होगी जल सुनवाई

मंदसौर। जिला प्रशासन द्वारा जिले में आम नागरिकों की जल संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई के साथ अब 'जल सुनवाई' भी आयोजित की जाएगी। 13 जनवरी को ऐसा पहला मंगलवार होगा जब पहली बार 'जल सुनवाई' भी आयोजित होगी। इस 'जल सुनवाई' में आम नागरिक अपनी जल से संबंधित शिकायतें लेकर उपस्थित हो सकते हैं। जल आपूर्ति, पेयजल, नल कनेक्शन, जल स्तर, पाइपलाइन, टंकी, हैंडपंप सहित अन्य जल संबंधी समस्याओं की सुनवाई कर उनका शीघ्र निराकरण किया जाएगा। जल सुनवाई के माध्यम से नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ वार्ड एवं पंचायत स्तर की जल संबंधी शिकायतों का भी समाधान किया जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करेंगे। ग्राम पंचायत वार्ड स्तर पर भी होगी जनसुनवाई। वहां पर भी सुनेंगे, जल संबंधी शिकायतों का तुरंत करेंगे समाधान। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु प्रति मंगलवार आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर जल सुनवाई का लाभ लें।

इंदौर न्याय यात्रा में मन्दसौर से बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों की सहभागिता

मन्दसौर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में इंदौर में आयोजित न्याय यात्रा में मन्दसौर जिले से जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने सहभागिता की। यात्रा में दूषित पानी से हुई 21 लोगों की मौत पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की गई तथा मुख्यमंत्री मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की मांग का समर्थन किया गया। न्याय यात्रा में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन सहित प्रदेश के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। मन्दसौर जिले से जिला कांग्रेस पदाधिकारी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पैदल मार्च में सम्मिलित हुए।

भक्ति भाव से सराबोर भक्ति पर्व समागम का दिव्य आयोजन

- भक्ति केवल शब्द नहीं जीवन जीने की सजग यात्रा है
- निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

मन्दसौर। ''भक्ति केवल शब्द नहीं जीवन जीने की सजग यात्रा है' यह प्रेरणादायक विचार निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने हरियाणा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में आयोजित 'भक्ति पर्व समागम' के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास की अनुपम छटा देखने को मिली। दिल्ली-एन.सी.आर सहित देश-विदेश से पधारे हजारों श्रद्धालु भक्तों ने इस दिव्य संत समागम में सहभागिता करते हुए सत्संग के माध्यम से आध्यात्मिक आनंद एवं आत्मिक शांति की अनुभूति प्राप्त करी। इस पावन अवसर पर परम संत संतोख सिंह जी सहित अन्य संत महापुरुषों के तप, त्याग एवं उनके ब्रह्मज्ञान के प्रचार-प्रसार में दिए गए अमूल्य योगदान का भावपूर्ण स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने उनके जीवन से प्रेरणा लेकर भक्ति, सेवा एवं समर्पण के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

समागम के दौरान अनेक वक्ताओं, कवियों एवं गीतकारों ने अपनी-अपनी विधाओं के माध्यम से गुरु महिमा, भक्ति भाव और मानव कल्याण के संदेशों को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। संतों की प्रेरणादायक शिक्षाओं ने उपस्थित श्रद्धालुओं के हृदय को छूते हुए उनके जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध किया।

भक्ति की महिमा पर प्रकाश डालते हुए सतगुरु माता जी ने कहा कि भक्ति कोई नाम या दिखावा नहीं, बल्कि अपने भीतर की सजग यात्रा है। सच्ची भक्ति तब है जब हम आत्म मंथन द्वारा दूसरों से पहले स्वयं को जाँचें, अपनी कमियों को सुधारें और हर पल जागरूक जीवन जिएँ। अज्ञान में हुई गलती सुधर सकती है, पर जानबूझकर चोट पहुँचाना, बहाने या चालाक शब्द भक्ति नहीं हैं, क्योंकि भक्त का स्वभाव मरहम का होता है। हर एक में निराकार देखकर सरल, निष्कपट व्यवहार करना और ब्रह्मज्ञान के बाद सेवा, सुमिरन व सत्संग से इस एहसास को बनाए रखना ही भक्ति है। अंततः भक्ति एक चुनाव है-नाम की नहीं, जीवन की।

सतगुरु माता जी से पूर्व निरंकारी राजपिता जी ने भक्ति पर्व के अवसर पर यह समझाया कि भक्ति कोई पद, पहचान या अपनी बनाई परिभाषा नहीं, बल्कि ब्रह्मज्ञान पाकर करता-भाव के समाप्त होने से उपजा जीवन जीने का ढंग है। संतों ने वचन इसलिए माने क्योंकि गुरु का वचन मानना उनके लिए स्वाभाविक था, जबकि हम कई बार न मानने को भी सही ठहरा लेते हैं। सत्य और भक्ति की परिभाषा एक ही है, यदि भक्ति को उपलब्धियों या अहंकार से जोड़ा जाए तो करता-भाव जीवित रहता है। भक्ति कोई सौदा नहीं, प्रेम का चुनाव है, जहाँ प्रयास रहते हैं पर दावा नहीं इसलिए अरदास यही है कि अपनी सारी परिभाषाएँ छोड़कर ऐसा जीवन जिएँ जहाँ वचन, सेवा, सुमिरन और संगत स्वभाव बन जाएँ क्योंकि भक्ति अपनी परिभाषा से हो, तो भक्ति नहीं।

सतगुरु माता जी ने माता सविंदर जी एवं राजमाता जी के जीवन को भक्ति, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा का सजीव प्रतीक बताते हुए कहा कि इन मातृशक्तियों का संपूर्ण जीवन निरंकारी मिशन के लिए एक श्रेष्ठ उदाहरण है, जो प्रत्येक श्रद्धालु को सेवा एवं समर्पण की प्रेरणा प्रदान करता है।

निरंकारी मिशन का मूल सिद्धांत यही है कि भक्ति, परमात्मा के तत्व को जानकर ही अपने वास्तविक एवं सार्थक स्वरूप को प्राप्त करती है। निःसंदेह, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के अमूल्य प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को ब्रह्मज्ञान के माध्यम से भक्ति के वास्तविक अर्थ को समझने तथा उसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्रदान की।

नवीन चारभुजानाथ मंदिर का प्रथम पाटोत्सव एवं श्रीमद् भागवत कथा आज से 19 जनवरी तक

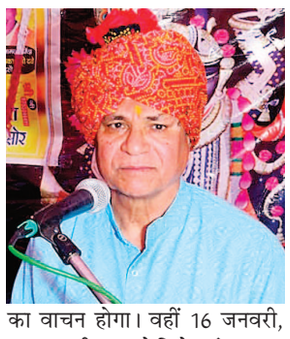

मन्दसौर। स्थानीय धानमंडी क्षेत्र स्थित खांकी कुआँ के पास श्री चारभुजानाथ राठौर धर्मशाला में आज 13 जनवरी से धार्मिक आयोजनों का शुभारंभ हो गया है। नवीन चारभुजानाथ मंदिर के प्रथम पाटोत्सव एवं धर्मशाला में निर्मित नवीन कमरों के लोकार्पण के अवसर पर सात दिवसीय 'भक्ति महोत्सव' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

महोत्सव के अंतर्गत सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पं. ओमप्रकाश दवे के मुखारविंद से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। कचेलिया राठौर तेली समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष राजकुमार राठौर एवं समाज जिला अध्यक्ष सुरेश राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आज 13 जनवरी, मंगलवार को प्रातः 10 बजे नवीन चारभुजानाथ मंदिर (धर्मशाला) से निकलने वाली भव्य पोथी यात्रा के साथ हुआ।

उन्होंने बताया कि 13 से 19 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 11.30 बजे से 3 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का वाचन होगा। वहीं 16 जनवरी, शुक्रवार की शाम को विशेष सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन रखा गया है।

महोत्सव का समापन 19 जनवरी को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ किया जाएगा। इस दिन प्रातः 9 बजे अभिषेक, प्रातः 11.30 बजे महाआरती एवं नवीन कमरों का लोकार्पण, दोपहर 3 बजे पूर्णाहुति तथा इसके पश्चात सायं 3 बजे प्रसादी वितरण होगा।

सकल पंच एवं श्री चारभुजानाथ मूर्ति मंडल ट्रस्ट, मन्दसौर ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से सपरिवार पधारकर इस भक्ति महोत्सव में सहभागी बनने एवं धर्मलाभ लेने की अपील की है।

बड़े साथ ओसवाल जैन सोश्यल ग्रुप का गठन

मन्दसौर। मैत्री, भाईचारा, सहयोग तथा स्वधर्मीवात्सल्य को विकसित कर संगठन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य को लेकर नगर में बड़े साथ ओसवाल जैन सोश्यल ग्रुप का गठन किया गया है जिसके स्वरूप को स्पष्ट करने के लिये शीघ्र ही कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इस संगठन की परिसीमा बड़े साथ ओसवाल जैन समाज रहेगी। बड़े साथ ओसवाल समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों ने इस संगठन के संचालन एवं सकारात्मक गतिविधियों का कार्यरूप देने के लिये प्रथम कार्यसमिति की घोषणा की है जो इस प्रकार है :- संरक्षक प्रदीप कीमती, अजीत संघवी, संप्रेरक सुरेन्द्र लोढ़ा, मार्गदर्शक विजय सुराना, राजूभाई संचेती, प्रेमेन्द्र चौरड़िया, सुनील तलेरा, परामर्शदाता हिम्मत लोढ़ा, सुधीर लोढ़ा, अशोक मारू, संजय मुरड़िया अध्यक्ष अक्षय मारू, उपाध्यक्ष धीरज कांकरिया, कपिल नाहटा, वैभव दुग्गड़, महामंत्री राजेश सिंघवी, सहमंत्री राकेश दुग्गड़, अंकित कीमती, पिंकेश चौरड़िया, कोषाध्यक्ष अनिल नाहर, सहकोषाध्यक्ष पारस जैन विभिन्न रिक्त पदों तथा प्रवक्ता आदि की नियुक्ति शीघ्र ही की जावेगी।

सूर्य नमस्कार से तन, मन के साथ मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है : कलेक्टर

मंदसौर। स्वामी विवेकानंद की जयंती 'युवा दिवस' के अवसर पर जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन संजय गांधी उद्यान, मंदसौर में किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार मीना, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सुधीर सिंह निगवाल सहित जिला अधिकारीगण, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। जिले के समस्त विद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षा संस्थानों एवं पंचायतों में भी सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण को सभी स्थानों पर देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् से हुई एवं समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने कहा कि सूर्य नमस्कार तन, मन के साथ मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का सशक्त माध्यम है। इसे हम सभी को अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या में अवश्य अपनाना चाहिए। स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी समाज को ऊर्जा और दिशा प्रदान करते हैं।

प्रत्येक नागरिक का शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। शरीर को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम योग है। सूर्य नमस्कार और प्राणायाम के माध्यम से योग के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सकता है। स्वामी विवेकानंद द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर ही बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। योग को अपनी दैनिक जीवनशैली में शामिल करने से न केवल स्वास्थ्य उत्तम रहता है, बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होता है। योग से अनेक बीमारियों से भी मुक्ति मिलती है। सूर्य नमस्कार में योग के लगभग सभी आसनों का समावेश होता है, जो सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है।

फोटो स्लग-1

व्यक्ति, समाज व राष्ट्र निर्माण पर ध्यान देंगे तो हर दिन उत्सव होगा : पं. शिवकरण प्रधान

मन्दसौर। वर्तमान में हमारा सारा ध्यान व्यक्तित्व निर्माण के साथ ही हमारी समस्याओं से हटकर केवल और केवल नाचना, गाना, नारे लगाना व उत्सव मानना रह गया है। हमारे ऊपर आसन्न संकट पर हमारा कोई ध्यान ही नहीं है। जबकि वास्तविकता यह है कि उत्सव तब मनाया जाना चाहिए कि जब आपने कोई सफलता प्राप्त की हो। हमारे त्यौहार इस बात के साक्षी हैं। रावण पर विजय प्राप्त करने पर ही दीपावली मनाई गई थी। यदि हम व्यक्ति, समाज व राष्ट्र निर्माण पर ध्यान देंगे तो हर दिन उत्सव होगा।

उक्त विचार मुख्य अतिथि आध्यात्मिक गुरु पं. शिवकरण प्रधान ने रखे। वे श्री परशुराम धाम, परशुराम नगर (मन्दसौर) में ब्रह्म परिषद द्वारा दिनांक 11 जनवरी 2026, रविवार को आयोजित द्वादश 'ब्रह्म सम्मेलन' में बोल रहे थे। अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज संगठित नहीं होने के कारण आए दिन हमें अपमान का घूंट पीना पड़ रहा है। व्यक्तिगत तौर ब्राह्मण समाज की उपलब्धियां अतुलनीय है किंतु बिखराव व आपसी सामंजस्य के अभाव के कारण हमें संकटों का सामना करना पड़ रहा है। ब्राह्मणों को अपनी ऐतिहासिक प्रतिष्ठा की पुनः स्थापना के लिए व्यापक दृष्टिकोण के साथ संगठित होकर आगे आना होगा।

इस अवसर मुख्य वक्ता युवा ब्रह्मवीर कपिल शर्मा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर ही समाज बनता है और प्रत्येक व्यक्ति पर समाज का नैतिक ऋण होता है। इसलिए हर व्यक्ति का यह पुनीत दायित्व होता है कि वह समाज के उत्थान में अपना यथासंभव योगदान अवश्य दे। क्योंकि यदि समाज विकास करेगा तो देश भी विकास करेगा और तभी हमारा भारतवर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बन पाएगा।

ब्रह्म सम्मेलन में समाज के प्रति समर्पण भाव से योगदान के लिए रमेशचंद्र नागर, दलौदा एवं अभिमन्युसिंह मंडलोई (अभिभाषक), मन्दसौर को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समाज में जागरूकता लाने के लिए सतत कर्मठता से कार्य करने वाले बालकृष्ण दवे, रूपेंद्र पंड्या, विनय शंकर मालवीय, विनोदकुमार तिवारी (मन्दसौर), पुरुषोत्तम भारद्वाज, निरंजन भारद्वाज (कोटा) को 'ब्रह्मवीर' सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज की प्रतिष्ठित 'ब्रह्म परिचय पत्रिका' का समस्त ब्राह्मण समाज प्रतिनिधियों के करकमलों द्वारा विमोचन किया गया।

'ब्रह्म सम्मेलन' में श्री परशुराम धाम निर्माण हेतु अनेक दानदाताओं द्वारा दानराशि देने की घोषणा भी की गई।

ब्रह्म सम्मेलन का शुभारंभ सुश्री सूर्या शर्मा द्वारा वेद मंत्रोच्चार से किया गया।

आयोजन में मध्यप्रदेश व राजस्थान व गुजरात के अनेक नगरों व गांवों के ब्रह्मजनों ने भाग लिया। संचालन संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया व इंजी. सुनील व्यास ने किया।

मेघवाल की स्मृति में तीन दिवसीय बैडमिंटन स्पर्धा का समापन

पिपलियामण्डी। शिक्षक स्व. गोपाल मेघवाल की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य समापन शासकीय बालक उमावि परिसर में हुआ। प्रतियोगिता में मंदसौर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई कुल 32 टीमों ने भाग लिया और अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबलों में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें मंदसौर टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। नारायणगढ़ टीम द्वितीय तथा पिपलियामंडी टीम तृतीय स्थान पर रही। विजेता मंदसौर टीम को 5100, उपविजेता नारायणगढ़ टीम को 2100 एवं तृतीय स्थान प्राप्त पिपलियामंडी टीम को 1100 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

समापन अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा, विधायक प्रतिनिधि लोकेश कराड़ा, नरेश जजवानी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्व. गोपाल मेघवाल के शिक्षकीय योगदान को स्मरण करते हुए ऐसे आयोजनों को युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन विनय नेकाड़ी एवं अंकित चिंटू शर्मा ने किया। आभार प्रवीण बुनकर ने माना।

एक नजर — कुमावत युवा संगठन का प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न, 550 होनहारों को मिला प्रोत्साहन

कुमावत युवा संगठन का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

मंदसौर। कुमावत युवा संगठन जिला मंदसौर द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को महाराणा प्रताप रिसोर्ट, दलौदा में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में समाज की शिक्षा, खेलकूद और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 550 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिले सहित मध्यप्रदेश व राजस्थान से बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञानदास महाराज संत दादु दयाल आश्रम, उज्जैन (धर्म गुरु समस्त कुमावत, समाज), जोरारामजी कुमावत (केबिनेट मंत्री-देव स्थान पशुपालन, डेयरी विभाग, राजस्थान) गजानंद कुमावत (विधायक भाजपा प्रत्याशी, राजस्थान)- निर्मल कुमावत (पूर्व विधायक, जयपुर - राजस्थान) ताराबंद कुमावत (राष्ट्रीय अध्यक्ष-कुमावत युवा संगठन), लीलाधर दोराया (प्रदेश अध्यक्ष, कुमावत समाज), नानूराम कुमावत (भाजपा पिछड़ा वर्ग, प्रदेश उपाध्यक्ष, इंदौर), गोपाल कुमावत (पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, प्रतापगढ़, राजेश परमार (पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष, ताल)- गोविंद भरावा (अध्यक्ष नगर परिषद खाचरौद) भंवरलाल कुमावत राजटेक (कार्येस जिला उपाध्यक्ष-प्रतापगढ़ राजेश भरावा (जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष, नामली-सत्यनारायण जाला (उज्जैन दुग्ध संघ के सदस्य संचालक), प्रकाश कुमावत-छोटी सादड़ी (जिला अध्यक्षभाविप) विक्रम कुमावत, नारायणी (मंडल अध्यक्ष-छोटीसादड़ी), ईश्वर कुमावत, बसेरा (मंडल अध्यक्ष प्रतापगढ़ ग्रामीण आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर जिले की तीन तहसीलों से आए समाज के प्रतिभावान कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर 550 युवक युवतियों का सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, आर्मी, प्रशासन, रेलवे सहित विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा दे रहे युवक-युवतियों एवं समाज के वरिष्ठ नागरिकों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में लगभग 5 हजार समाजजन उपस्थित रहे। वक्ताओं ने समाज में एकजुटता, सहयोग और आपसी समरसता पर बल देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को नई दिशा देते हैं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

समारो के दौरान कुमावत महासभा पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमावत मंदसौर ने समाज की प्रतिभा जो पढाई का खर्च उठाने में सक्षम नहीं है उनको आगे बढने के लिए प्रेरित कर शिक्षा का पूर्ण खर्च उठाने की मंच से घोषणा की है ताकि समाज का कोई भी विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में पीछे नहीं रहे।

पेंशनर महासंघ की बूढ़ा इकाई की बैठक में पेंशनरों का हुआ सम्मान

बूढ़ा। सेवा निवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ बूढ़ा ईकाई की बैठक ईकाई अध्यक्ष श्री बालाराम पाटीदार की अध्यक्षता मे गायत्री शक्तिपीठ बूढ़ा मे आयोजित की गई। बैठक का प्रारंभ मां गायत्री व नीलकण्ठ महादेव की पूजन से हुआ। बैठक मे परामर्शदाता श्रवणकुमार त्रिपाठी, जिला सचिव चन्द्रकान्त शर्मा, जिला कार्यकारिणी सदस्य अजीजुल्ला खान व करणसिंह चौहान व भोला भारती सोनी अतिथि उपस्थित रहे।

बैठक मे वर्ष 2026 की सदस्यता पर चर्चा की गई व उपस्थित सदस्यों की सदस्यता नवीनीकरण किया गया द्य। इकाई क्षेत्र मे वर्ष 2025 मे सेवानिवृत्त दो पेंशनरों का सम्मान किया गया व उन्हें भी सदस्य बनाए गए। बैठक मे सर्वश्री नानूराम राठौर, भागीरथ पाटीदार, कालूराम परमार, नाथूलाल वर्मा, रमेशचन्द्र वर्मा, उमरावसिंह सिसोदिया, शब्बीर मंसूरी, फतेह सिंह चौहान व अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बालाराम पाटीदार ने कहा कि हमारी नियमित मासिक बैठक होती हैं तथा प्रतिवर्ष जनवरी माह मे मिलन कार्यक्रम आयोजित करते हैं सभी सदस्यों का सहभोज भी होता हैं। चन्द्रकान्त शर्मा ने कहा कि इकाई क्षेत्र मे आने वाली ग्राम पंचायतों मे भी हमे सदस्यता करनी चाहिए। सदस्यों की कोई समस्या है तो अपने विभाग मे आवेदन देकर संगठन को भी आवेदन की प्रति दे संगठन स्तर से भी प्रयास किया जावेगा। बैठक को श्रवणकुमार त्रिपाठी, अजीजुल्ला खान ने भी संबोधित किया। उपस्थित अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार रखे। बैठक का संचालन करणसिंह चौहान ने किया।